



चूत और लण्ड का एक ही रिश्ता- 4

“पापा बेटी सेक्स कहानी में एक लड़की को चुदाई की लत लग गयी थी. अपने भाई और सहेली के बाप से चुदने के बाद वह अपने पापा की वासना को अपने प्रति भड़काने में सफल हो गयी थी. ...”

Story By: गरिमा सेक्सी (garimaasexy)

Posted: Wednesday, December 13th, 2023

Categories: [बाप बेटी की चुदाई](#)

Online version: [चूत और लण्ड का एक ही रिश्ता- 4](#)

चूत और लण्ड का एक ही रिश्ता- 4

पापा बेटी सेक्स कहानी में एक लड़की को चुदाई की लत लग गयी थी. अपने भाई और सहेली के बाप से चुदने के बाद वह अपने पापा की वासना को अपने प्रति भड़काने में सफल हो गयी थी.

कहानी के तीसरे भाग

पापा ने जवान बेटी की चूत सूँधी

में आपने पढ़ा कि आधी रात में पापा ने मेरे कमरे में आकर मेरी नंगी चूत की खुशबू ली और उसे देख कर मुठ मार कर अपना पानी मेरे जिस्म पर गिराया.

यह कहानी सुनें.

Papa Beti Sex Kahani

अब आगे पापा बेटी सेक्स कहानी :

नानी और मामा के आने की बात सुनकर मेरा मूड थोड़ा खराब हो गया था क्योंकि जब भी मामा और नानी आते थे तो मम्मी और नानी बेडरूम में पापा नीचे लॉबी में दीवान पर और मामा सोनू के कमरे में ऊपर सोते थे।

मुझे लग रहा था कि जब तक नानी और मामा रहेंगे तब तक रात वाला प्लान नहीं हो पाएगा.

क्योंकि अभी तो मम्मी के सो जाने के बाद पापा रात में ऊपर आ जाते थे.

मगर अब ऊपर मामा सोएंगे तो पापा डर से नहीं आएंगे क्योंकि मामा अक्सर रात में पानी पीने या बाथरूम जाने के लिए ज़रूर उठते हैं।

करीब 3 बजे पापा, नानी और मां को लेकर घर आ गए।

थोड़ी देर चाय वगैरह पीने के बाद फिर पापा, माँ और नानी डॉक्टर के यहाँ चले गए दिखाने।

शाम को करीब 6 बजे वे लोग लौटे तो बताया कि डॉक्टर ने दवा दी है और एक हफ्ते बाद फिर बुलाया है. कोई घबराने वाली बात नहीं है।

फिर मामा तुरंत वापस जाने के लिए तैयार हो गए बोले कि 8 बजे वाली ट्रेन पकड़ कर वे वापस चले जाएंगे।

नानी को यहीं रुकना था.

एक हफ्ते बाद वे वापस आकर डॉक्टर को दिखा का नानी को वापस ले जायेंगे।

मामा के जाने के बाद मम्मी तुरंत खाने की तैयारी में लग गई क्योंकि नानी ज्यादा देर से नहीं खाती थी।

रात में हम सभी साथ खाना खा रहे थे.

तभी पापा ने मम्मी से कहा- ऐसा है, अम्मा जी और तुम यहां नीचे सो जाना. मैं ऊपर सोनू वाले कमरे में सो जाऊंगा।

मम्मी बोलीं- ठीक है।

मेरी तो खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा, मैं तो समझ रही थी कि पापा ऊपर सोने के लिए प्लान क्यों कर रहे हैं।

रात 9.30 बजे तक हम सबने खाना खा लिया।

फिर मैं मम्मी के साथ रसोई में काम करने लगी।

पापा टीवी देखने लगे और नानी कमरे में चली गई।

करीब 10 बजे पापा ऊपर जाते हुए मम्मी से बोले- मैं सोने जा रहा हूँ।
और फिर मुझसे बोले- बेटा ऊपर आना तो मेरे लिए पानी लेती आना।
मैंने कहा- ठीक है पापा!

और फिर पापा सोने चले गए।

मैं थोड़ी देर रसोई का काम खत्म कर नानी के पास कमरे में आ गई और उनसे बात करने लगी।

थोड़ी देर में मम्मी भी कमरे में आ गई।

फिर हम तीनों बैठ कर बात करने लगी।

करीब 11 बजे मैं मम्मी से बोलीं- मैं सोने जा रही हूँ अब!

मम्मी बोलीं- अपने पापा के लिए पानी लेती जाना!

मैं 'ठीक है' बोल कर कमरे से निकल कर रसोई में पानी लेने चली गई।

पानी लेकर मैं जैसे ही सीढ़ी के पास आई तो ऊपर मैंने पापा को तेजी से पीछे हटते हुए देखा।

हालांकि पापा नहीं जान पाये कि मैंने उन्हें देख लिया है।

मुझे लगा कि शायद वे पानी के लिए बुलाने आ रहे होंगे मगर मुझे पानी लेके आती देखकर वापस चले गये होंगे।

मैं ऊपर आयी तो देखा कि लॉबी की लाइट बंद थी और पापा के कमरे का दरवाजा भी बंद था।

तब मैं सोचने लगी कि अभी तो पापा यहीं खड़े थे मगर मुझे देखने के बावजूद कमरे में

जाकर दरवाजा क्यों बंद कर लिया है।

मुझे समझ नहीं आ रहा था कि पापा ने ऐसा क्यों किया है।

मगर दिमाग में ये भी चल रहा था कि कहीं ऐसा तो नहीं कि पापा कुछ प्लान बनाकर बैठे हों।

मेरा दिल धड़कने लगा.

मैं दरवाजे के पास गई और धीरे से डोर हैंडल घुमा कर दरवाजे को थोड़ा सा खोला तो देखा कि कमरे में नाइट बल्ब जल रहा है और पापा बिस्तर पर सो रहे हैं।

तब मैं दरवाजा पूरा खोल कर अंदर आ गई और धीरे से 2 बार पापा को आवाज दी.
मगर वे जगे नहीं।

मैं समझ गई कि पापा जगे हैं मगर सोने का नाटक कर रहे हैं।

मगर मैं अभी भी समझ नहीं पा रही थी कि वे आखिर ऐसा क्यों कर रहे हैं।

फिर मैं उनके बिस्तर के पास गई, बगल की टेबल पर पानी का गिलास रख दिया और उनकी तरफ देखा तो वे उसी तरह आंख बंद कर पीठ के बल लेटे हुए थे।

उन्हें अपने एक हाथ को अपने माथे पर इस तरह रखना था कि उनकी आंख छुप गई थी।
वे यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे गहरी नींद में हैं।

अचानक मेरी निगाह नीचे उनकी कमर की तरफ गई तो मेरा दिल धक्क से रह गया।

दरअसल पापा लुंगी पहन कर सो रहे थे और उनकी लुंगी आगे से खुल कर अगल-बगल हटी थी और उसमें से उनका लंड आधा बाहर निकला हुआ था।

पापा ने अंडरवियर भी नहीं पहना था.
अब मैं सारा माजरा समझ गई।

पापा वही कर रहे थे जो मैं रात में उनके साथ करती थी।

थोड़ी देर तक मैं ऐसी ही खड़ी रही।
मैं समझ नहीं पा रही थी कि क्या करूं।

एक तरीके से पापा मुझे अपना लंड देखने का खुला निमंत्रण दे रहे थे।
मेरा दिल जोर-जोर से धड़क रहा था।

मैं अभी सोच ही रही थी कि क्या करूं.
तभी नीचे से मम्मी ने मुझे आवाज देकर बुलाया।

मैं तेजी से कमरे से निकली और दरवाजा बंद कर नीचे आ गई।

नीचे मम्मी ने मुझे डॉक्टर की पर्ची देते हुए कहा- देखो इसमें सोने से पहले कौन सी दवा
नानी को देनी है।
मैंने जो दवा खानी थी, निकाल कर नानी को दे दी।

जब नानी ने दवा खा ली तो मम्मी बोलीं- लाइट और दरवाजा बंद करती हुई जाना!

फिर मैंने कमरे की लाइट बंद की और बाहर आकर दरवाजा बंद कर दिया और ऊपर आ
गई।

ऊपर आकर मैंने एक बार पापा के कमरे की ओर देखा और सोचने लगी कि क्या करूं ...
फिर से पापा के कमरे में जाऊं या नहीं।

फिर दिमाग में आया कि कहीं आज मौका छूट गया तो दोबारा ये मौका मिले ना मिले !
और फिर जब लोहा गर्म हो, तभी हथौड़ा मारना चाहिए.
यह सोच कर मैंने पापा के कमरे में दोबारा जाने का निश्चय किया ।
मैं समझ रही थी कि पापा भी सिर्फ इंतजार ही कर रहे होंगे ।

तब मैं पापा के कमरे के पास चली गई और धीरे से दरवाजा हकले से खटखटाया और करीब 15 सेकेण्ड तक रुकी रही ।
मैंने ऐसा जानबूझकर किया ताकि पापा भी अन्दर तैयार हो जाएँ ।

फिर धीरे से मैंने दरवाजा खोला तो देखा कि पापा उसी तरह सो रहे हैं ।

मेरी नज़र उनके लंड पर गई तो देखा कि इस बार वे लुंगी से करीब-करीब पूरा बाहर आ गया था और उसमें हल्का सा तनाव भी था ।
मैं कमरे के अंदर आ गई और दरवाजा धीरे से बंद कर दिया और फिर धीरे से पापा को आवाज दी- पापा ... पापा !

पापा बिना कुछ बोले लेटे रहे.
वे यह जताना चाह रहे थे कि वे बेहद गहरी नींद में हैं ।

मैं बेड के पास गई और थोड़ी देर खड़ी रही ।

मेरी नज़र कभी पापा के लंड पर तो कभी उनके मुँह की तरफ जा रही थी ।
मैं समझ नहीं पा रही थी कि क्या करूँ और कैसे करूँ ।

फिर मैंने हाथ बढ़ाकर पापा के घुटनों के पास रखा और धीरे से हिलाए एक बार फिर उन्हें जगाने की कोशिश की और आवाज दी- पापा ... पापा !
मगर पापा कुछ नहीं बोले और उसी तरह लेटे रहे ।

जब पापा कुछ नहीं बोले तो मैं बिस्तर के ठीक बगल में उनके लंड के पास जाकर घुटनों के बल बैठ गयी।

अब पापा का लंड ठीक मेरे चेहरे के सामने था।

मेरी निगाह पापा के लंड पर थी जिसमें अब तनाव बढ़ रहा था।

मेरा दिल जोर-जोर से धड़क रहा था और सांस धौंकनी की तरह चल रही थी।

हालांकि इतनी देर में मेरी उत्तेजना और हिम्मत दोनों बढ़ गई थी।

मैंने एक हाथ से पापा के लंड को धीरे से पकड़ा।

जैसा ही मैंने लंड को पकड़ा, लंड हल्के से झटके के साथ और टाइट हो गया।

थोड़ी देर इसी तरह लंड को पकड़े रहने के बाद मैंने लंड को पूरा मुट्ठी में भर लिया और

धीरे-धीरे लंड को हिलाने लगी।

अब तक पापा का लंड एकदम गर्म और पत्थर की तरह हो चुका था।

मेरा मन कर रहा था कि लंड को मुँह में भरकर चूस लूँ।

मुझसे अब बर्दाश्त भी नहीं हो रहा था।

मैंने लंड को हिलाना बंद कर दिया और उसकी त्वचा को पूरा नीचे खींच दिया।

नाइट बल्ब की रोशनी में लंड का मोटा सा गुलाबी सुपारा फूल कर चमक रहा था, जिसे देख कर मेरे मुँह में पानी आ गया।

मैं झुकी और जीभ निकल कर लंड के सुपारे को हल्का सा चाट लिया।

मैंने जैसे ही शरीर से पापा के लंड को चाटा मेरे शरीर में हल्की सी झुरझुरी दौड़ गई।

वहीं पापा के शरीर में हल्का झटका लगा।

ऐसा लग रहा था कि शायद पापा को भी उम्मीद नहीं थी कि मैं उनके लंड को चाटूंगी भी !

दो-तीन बार लंड के सुपारे को जीभ से आइसक्रीम की तरह चाटने के बाद मेरी हिम्मत और एक्साइटमेंट दोनों बढ़ गयी थी ।

वैसे भी पापा और मैं दोनों एक दूसरे से खेल रहे थे, ये पापा और हम दोनों जान रहे थे ।
इस वजह से अंदर का डर खत्म हो गया था ।

करीब 20-25 सेकेण्ड तक पापा के लण्ड को आइसक्रीम की तरह चाटने के बाद थूक से चिकने हो चुके उनके सुपारे को पूरा मुंह में भरकर लॉलीपॉप की तरह चूसने लगी ।
शायद पापा के लंड से थोड़ा-थोड़ा पानी निकल रहा था क्योंकि लंड चूसते हुए मुझे हल्का-हल्का नमकीन का स्वाद भी आ रहा था ।

मेरी तो जैसे मुंह मांगी मुराद मिल गई थी ।
मैं अब तेजी से मुंह को आगे पीछे कर लंड चूस रही थी.

अभी लंड चूसते हुए 2 मिनट हाय हुए कि पापा हल्का-हल्का अपनी कमर को हिलाने लगे ।

मैं समझ गई कि वे झड़ने वाले हैं.

इसलिए मैं और तेज-तेज उनके लंड को हाथ से हिलाते हुए चूसने लगी ।

तभी पापा का शरीर एकदम अकड़ गया और वे तेजी से अपने कमर को हिलाने लगे और मेरे मुंह में झड़ गए ।

उनके लंड से तेज धार निकली और सीधा मेरे गले में चली गयी, जिसे मैं गटक गई ।

उसके बाद पापा ने हल्का-हल्का झटका लेते हुए अपने लंड का पूरा पानी मेरे मुंह में

निकाल दिया।

लंड के गाढ़े नमकीन पानी से मेरा मुंह पूरा भर गया.

थोड़ा पानी मेरे मुंह से निकल कर बाहर मेरे हाथ और लंड पर भी फैल गया.

बाकी जो मुंह में बचा था, वो सारा नमकीन पानी बिना लंड को मुंह से निकले, एक ही झटके में पी गई।

पूरा पानी निकल जाने के बाद भी मेरे लंड को मुंह में लेकर कुछ देर चूसती रही।

उसके बाद मैंने लंड को मुंह से निकाला और पापा की लुंगी पर ही अपने हाथ का साफ किया और उनके लंड को भी हल्का सा पौछ कर साफ कर दिया।

फिर मैं धीरे से खड़ी हुई और दरवाजा खोल कर बाहर आ गई और वापस बंद कर अपने कमरे में आ गई और दरवाजा बंद कर सीधा बिस्तर पर लेट गई।

मुझे तो विश्वास ही नहीं हो रहा था कि मैं अभी-अभी अपने पापा का लंड चूस कर आई हूँ।

मेरे मुँह में अभी भी लंड के पानी का थोड़ा नमकीन स्वाद था.

अभी तक मैंने ये सब पापा बेटी सेक्स मूवी देखी थी और मैं आज खुद ही अपने पापा का लंड चूस के आ रही थी ... ऐसा लग रहा था जैसा मेरा कोई सपना देख रही हूँ।

वैसे मुझे लग रहा था कि शायद पहली बार मैंने पापा का लंड चूसा था इसलिए एक्साइटमेंट में पापा जल्दी झड़ गए थे।

वहीं मेरी चूत पूरी तरह पनिया गई थी.

मैं पापा के लंड को चूसने के बारे में मुझे याद कर अपनी चूत को सहलाने लगी.

मेरा मन कर रहा था कि एक बार फिर वापस कमरे में जाऊँ और लंड को दोबारा मुँह में लेकर चूसते हुए अपनी चूत सहलाऊँ ।

यहीं सोचते-सोचते मैं उत्तेजित होने लगी और तेजी से हाथ से अपनी चूत रगड़ने लगी. और फिर मेरी चूत ने भी पानी छोड़ दिया ।

चूत का पानी निकलने के बाद मैं आंख बंद कर लेट गयी और मुझे कब नींद आ गई पता ही नहीं चला ।

दोस्तो, मेरी पापा बेटी सेक्स कहानी आप को कैसी लग रही है, आप मुझे ज़रूर बतायें ।

पापा बेटी सेक्स कहानी का अगला भाग : [चूत और लण्ड का एक ही रिश्ता- 5](#)

Other stories you may be interested in

भाई से चूत चटवा कर शांति मिली

गरम चूत का इलाज मेरे भाई ने मेरी चूत चाट कर सड़क किनारे की झाड़ियों में! पापा के दोस्त की गोद में बैठ कर उनका लंड मेरी गांड में चुभने से मैं गर्म हो गयी थी. यह कहानी सुनें. मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

पापा के दोस्त के साथ मस्ती- 2

ठरकी अंकल के घर में आ गयी मैं अपने भाई और सहेली को लेकर ... वे दोनों आपस में चुदाई करना चाहते थे और हमारे पास कोई जगह नहीं थी. इसी के साथ मेरी सेटिंग भी हो गयी अंकल के [...]

[Full Story >>>](#)

होली की मस्ती की रंग बिरंगी तितलियाँ

Nude Holi Sex Pics

[Full Story >>>](#)

पापा के दोस्त के साथ मस्ती- 1

यंग पुसी का मजा लेने के लिए सभी तैयार रहते हैं. इस कहानी में मेरे पापा के दोस्त ने मुझे देखा तो वे मेरे जिस्म को खा जाने वाली नजर से देखने लगे. यह कहानी सुनें. मेरे प्यारे पाठको, मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

पुरानी गर्लफ्रेंड के साथ चुदाई के मजे

Xxx सेक्सी लड़की की चुदाई का मजा मैंने उसी के घर जाकर लिया. मैं उसे पहले भी चोद चुका था. इस बार वह लाल साड़ी पहन कर चुदी. दोस्तो, भाभियो और हॉट लड़कियो, मैं आपका राज कोटा, राजस्थान से आज [...]

[Full Story >>>](#)

